Self Respect

05-08-2014

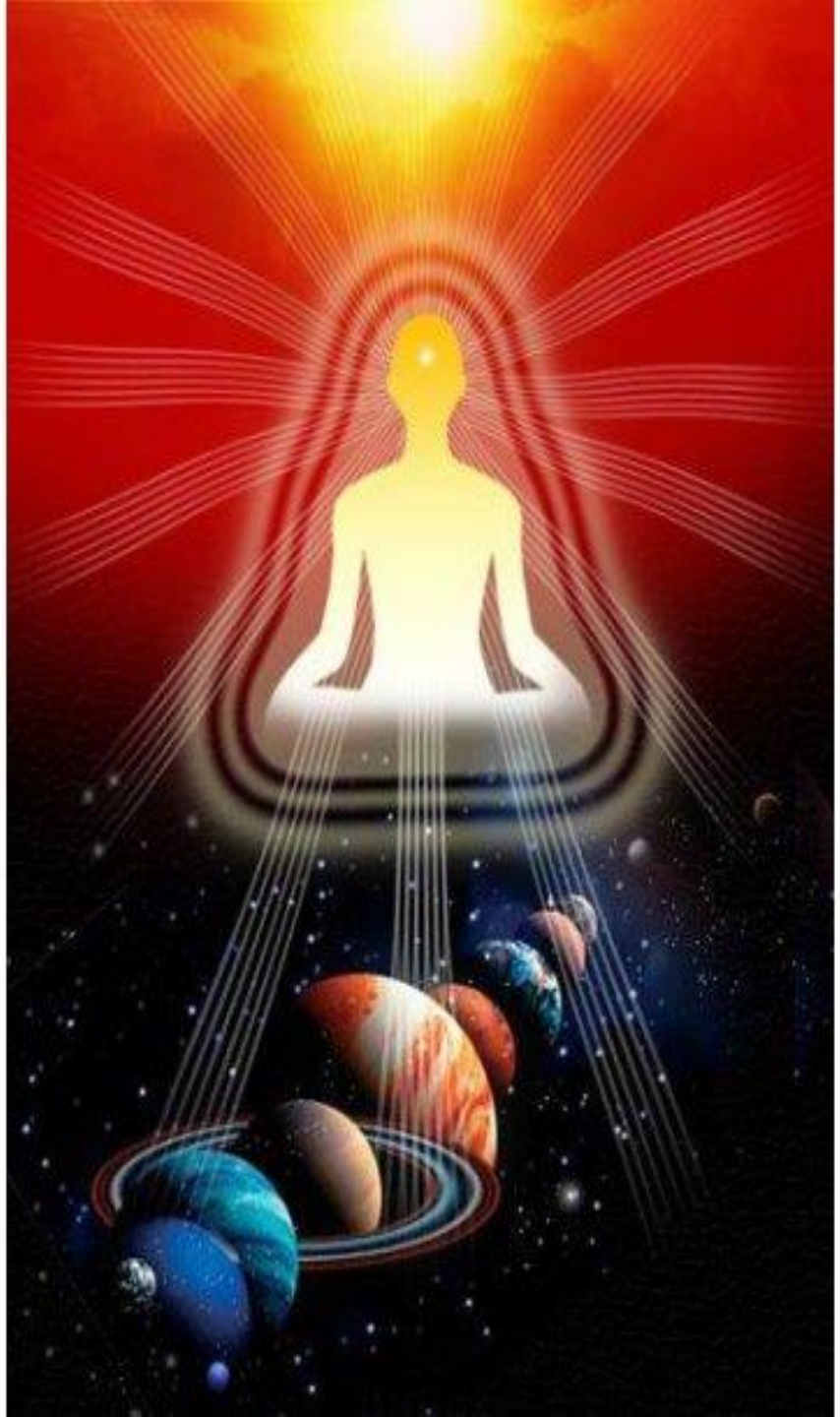

- ✓मीठे ते मीठा बेहद का बाप मीठे-मीठे बच्चों को बैठ समझाते हैं । यह तो समझते हो ना बहुत मीठा-मीठा बाप है । फिर शिक्षा देने वाला टीचर भी बहुत मीठा-मीठा है ।

- ✓काशी में जाओ तो भी शिवबाबा-शिवबाबा कह याद करते, रड़ी मारते हैं । तुम हो सालिग्राम । आत्मा बिल्कुल छोटा सितारा है, उसमें कितना पार्ट भरा हुआ है । आत्मा घटती-बढ़ती नहीं, विनाश नहीं होती । आत्मा तो अविनाशी है । उसमें ड्रामा का पार्ट भरा हुआ है ।

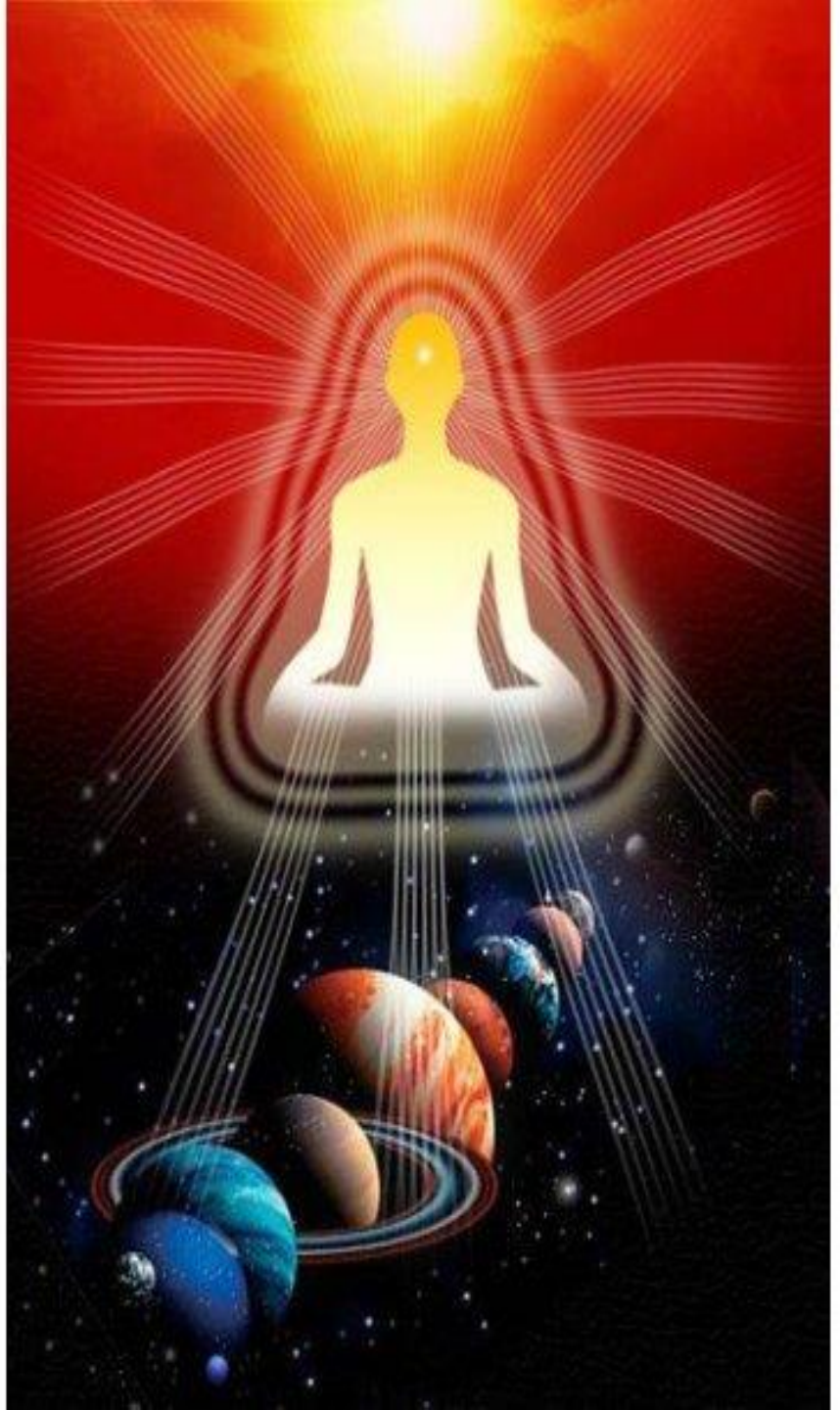

- ✓बाप कहते हैं - तुम सब सीतायें हो । मैं हूँ राम । सब भक्तों का सद्गति दाता मैं हूँ । सबकी सद्गति कर देते हैं । बाकी सब मुक्तिधाम में चले जाते हैं । सतयुग में दूसरा धर्म कोई होता नहीं, सिर्फ हम ही होते हैं क्योंकि हम ही बाप से वर्सा लेते हैं ।

- ✓तुम्हारी वहाँ नेचुरल ब्यूटी रहती है । लिपिस्टिक आदि कुछ भी नहीं लगाते । तो तुम बच्चों को खुश होना चाहिए । तुम स्वर्ग के परीज़ादे बनते हो ।

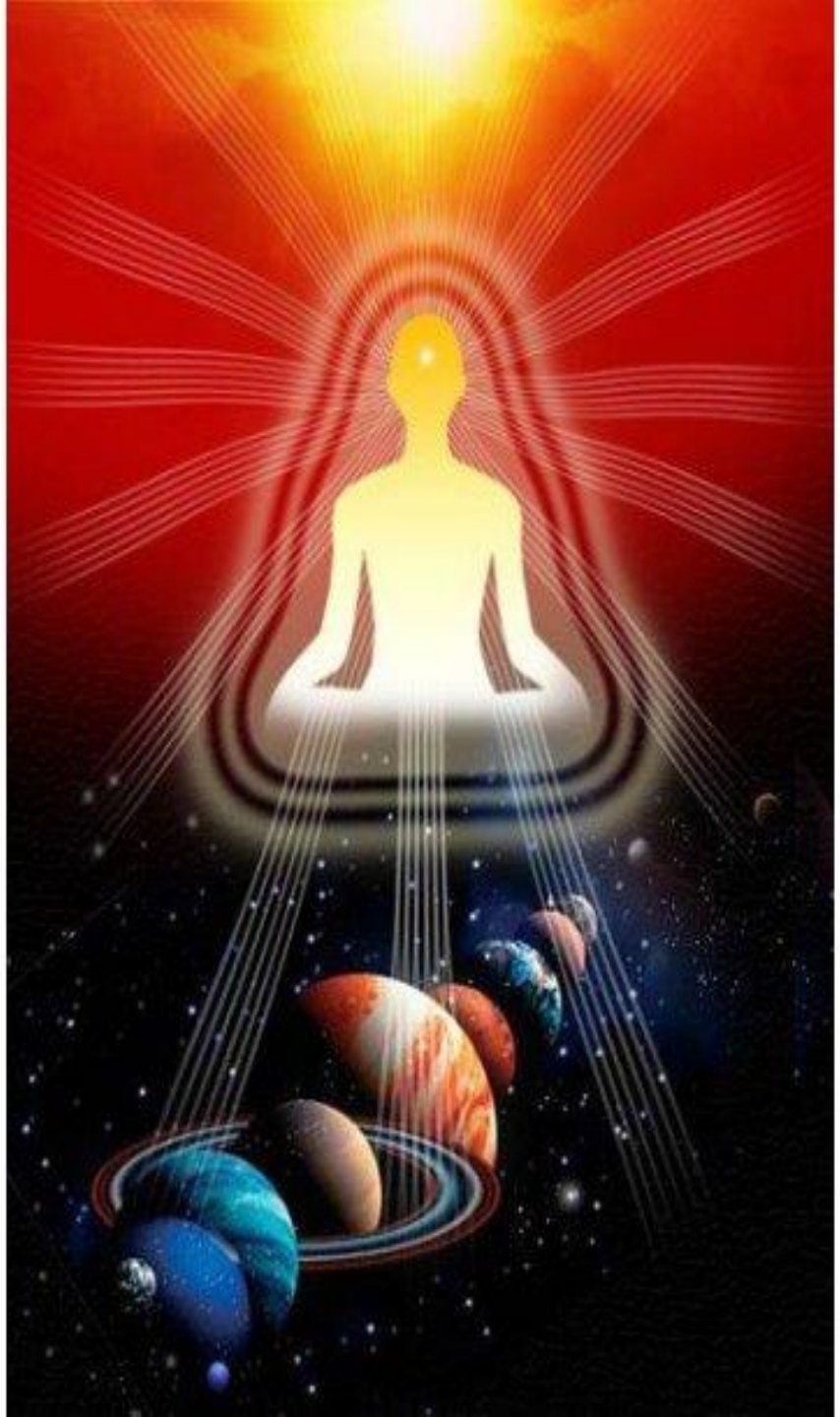

- ✓सदा सुन्दर तो एक ही मुसाफिर है । यह बाबा साँवरा और सुन्दर बनते हैं । तुम सबको सुन्दर बनाकर साथ में ले जाते हैं । तुम बच्चों को सुन्दर बन फिर और सबको सुन्दर बनाना है ।

- ✓देलवाड़ा मन्दिर पूरा यादगार है, राजयोग तुम सीखते हो फिर स्वर्ग यहाँ होगा ।

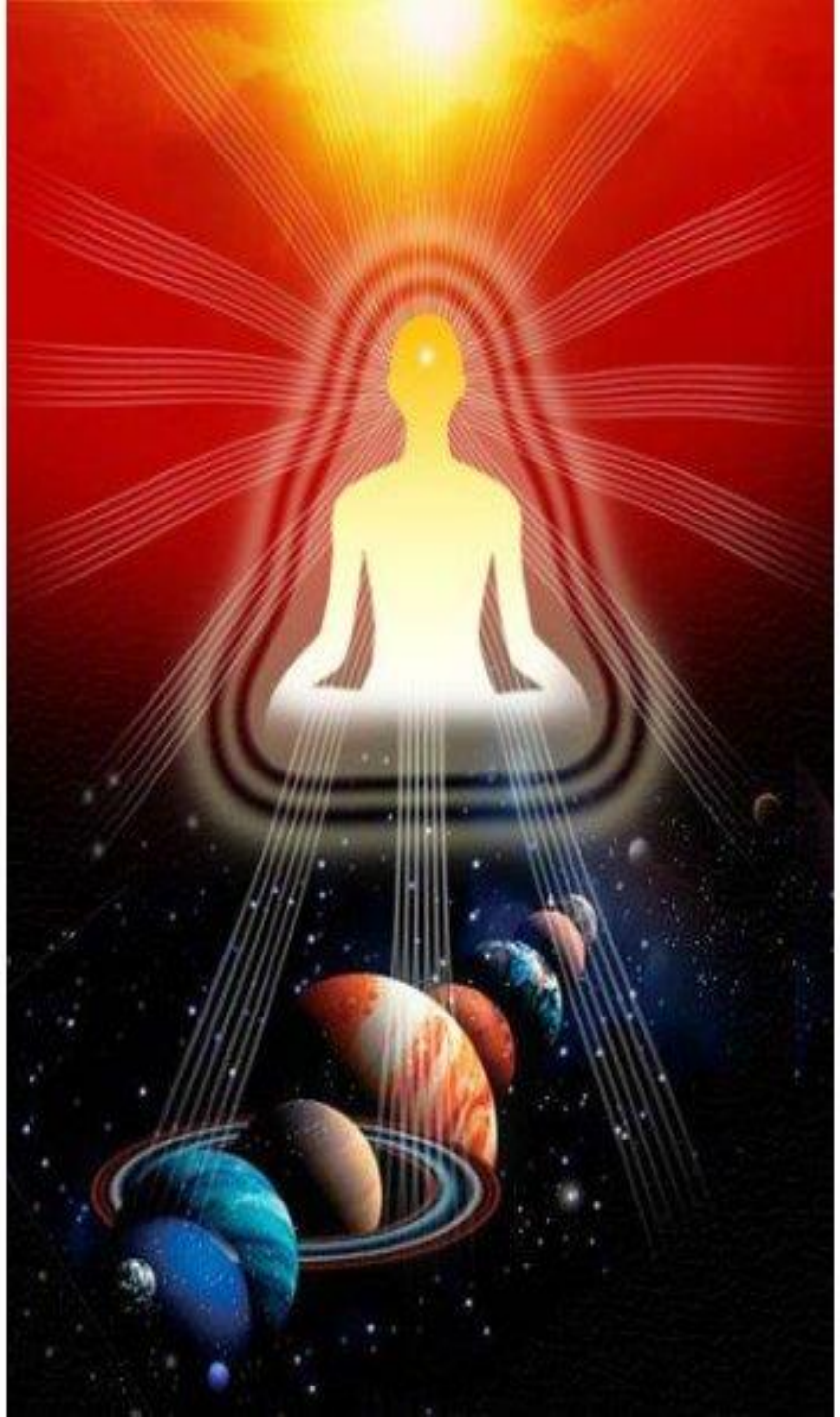

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |

✓वरदान: ब्राह्मण जन्म की विशेपता को नेचरल नेचर बनाने वाले सहज पुरुषार्थी भव !